नवाचार
अनुभव का संगम

नवाचार पत्रिका अगस्त अंक – 2026
प्रोमिनेंसर्स – जीवन कौशल के साथ सशक्त भविष्य की ओर
हिंदी विभाग के पन्ने पर : ".अगस्त के रंग –अगस्त की चमक : शिक्षक, विद्यार्थी और नवाचार की गाथा" नवोन्मेषी, अनुभव के रंग में ".अगस्त संगमरमर:-- गौरव, ध्वजारोहण हाउस विजेता • पुरस्कार वितरण • सामूहिक चित्र , सैनिकों के लिए राखियाँ • और नई ऊँचाइयाँ

तिरंगे की शान, प्रतिभाओं की उड़ान

"अगस्त केवल कैलेंडर का एक महीना नहीं, यह उन भावनाओं का महीना है, जो हमें अपनी मातृभूमि, अपने वीरों और अपने भारतीय होने के गौरव से जोड़ती हैं।"

अगस्त का महीना विद्यालय परिसर में देशभक्ति, रचनात्मकता, खेल भावना, साहित्यिक प्रतिभा और मानवीय संवेदनाओं की अनेक रंगीन छवियाँ लेकर आया। कहीं तिरंगे की आन-बान-शान के बीच देशभक्ति के स्वर गूँजे, तो कहीं कविता, नृत्य और संगीत ने बच्चों की भावनाओं को अभिव्यक्ति दी। कहीं खेल के मैदान में प्रतिभा ने अपना परचम लहराया, तो कहीं नन्हे हाथों ने हरित भारत का सुंदर सपना साकार किया।

देशभक्ति • प्रतिभा • संस्कार • खेल • सृजन • संवेदना

"अगस्त केवल कैलेंडर का एक महीना नहीं, यह उन भावनाओं का महीना है, जो हमें अपनी मातृभूमि, अपने वीरों और अपने भारतीय होने के गौरव से जोड़ती हैं।"
अगस्त का महीना विद्यालय परिसर में देशभक्ति, रचनात्मकता, खेल भावना, साहित्यिक प्रतिभा और मानवीय संवेदनाओं की अनेक रंगीन छवियाँ लेकर आया। कहीं तिरंगे की आन-बान-शान के बीच देशभक्ति के स्वर गूँजे, तो कहीं कविता, नृत्य और संगीत ने बच्चों की भावनाओं को अभिव्यक्ति दी। कहीं खेल के मैदान में प्रतिभा ने अपना परचम लहराया, तो कहीं नन्हे हाथों ने हरित भारत का सुंदर सपना साकार किया।

नवाचार - अनुभव का संगम

"जहाँ नवाचार की सोच हो और अनुभव का साथ,
वहाँ हर कदम बनता है सफलता की नई मिसाल।"

अगस्त संगमरमर: गौरव और नई ऊँचाइयाँ

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय प्रांगण देशप्रेम और उत्साह से सराबोर हो उठा। तिरंगे की छाँव में जब ध्वजारोहण हुआ, तो हर दिल में भारत माता के प्रति अपार श्रद्धा और गर्व का ज्वार उमड़ पड़ा। इस ऐतिहासिक अवसर पर वार्षिक हाउस प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया, और उनके चेहरे पर झिलमिलाती मुस्कान ने पूरे परिसर को आलोकित कर दिया।

"सम्मान केवल ट्रॉफी या पदक में नहीं होता, वह तो उस लगन और परिश्रम का फल है, जो इंसान को निखारता है।" कार्यक्रम का सबसे खूबसूरत लम्हा था वह 'सामूहिक चित्र', जिसमें शिक्षकों का मार्गदर्शन, विद्यार्थियों की असीम ऊर्जा और संस्था का गौरव एक ही फ्रेम में कैद हो गया। यह केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि हमारी एकजुटता और लगातार ऊँचाइयों को छूने के सामूहिक संकल्प का जीवंत दस्तावेज़ थी।

आजादी की उमंग, वीरों को नमन

जय भारत के वीर’ — देश के वीर सपूतों को भावांजलि

१२ अगस्त को विद्यालय में ‘जय भारत के वीर’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि राकेश खत्री एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, नृत्य एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत माता के वीर सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की।

मंच पर बच्चों की प्रत्येक प्रस्तुति में देशप्रेम की ऐसी भावना दिखाई दी, जिसने उपस्थित सभी लोगों के हृदय को भाव-विभोर कर दिया।

“आज हम स्वतंत्र हैं, क्योंकि किसी ने अपने आज को हमारे कल के लिए समर्पित किया था।”

१५ अगस्त – स्वतंत्रता का उत्सव

“तिरंगे के नीचे एकता, गौरव और संकल्प”

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कक्षा ३ से ९ तक के विद्यार्थी विद्यालय में उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण प्रधानाचार्या महोदया एवं निदेशक श्री मणि सर द्वारा किया गया। तिरंगा जैसे ही आकाश में शान से लहराया, पूरा विद्यालय परिसर गर्व और देशभक्ति की भावना से भर उठा।

विद्यार्थियों ने भाषण, नृत्य, संगीत एवं देशभक्ति की मनमोहक प्रस्तुतियों से स्वतंत्रता दिवस समारोह को अविस्मरणीय बना दिया।

प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह का एक विशेष आकर्षण रहा—अब तक आयोजित विभिन्न हाउस प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित करना।

ये ट्रॉफियाँ केवल जीत की निशानी नहीं थीं, बल्कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन, लगन और निरंतर प्रयास की पहचान थीं।

“एक ट्रॉफी हाथ में आती है, पर उसके पीछे छिपी होती है अनगिनत घंटों की मेहनत, असफलताओं से मिली सीख और स्वयं पर विश्वास।”

जब शब्द बने आवाज़

अंतरविद्यालयी कविता-पाठ प्रतियोगिता

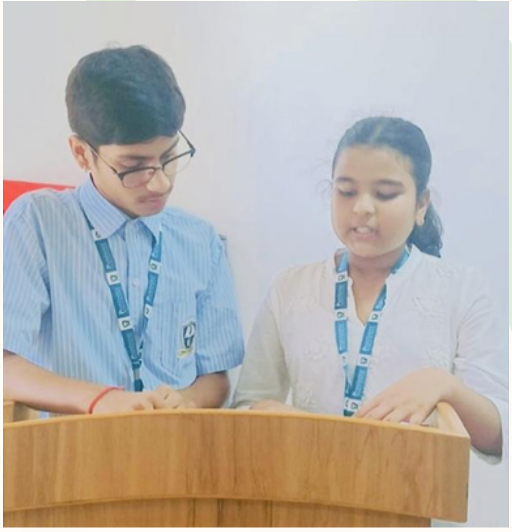

१२ अगस्त को विद्यालय में अंतरविद्यालयी कविता-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था "अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस"

विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से युवाओं के सपनों, ऊर्जा, जिम्मेदारियों और देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी सोच को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कक्षा ३ से ५ के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता का संचालन सुश्री प्रीति शर्मा ने किया, जबकि कक्षा ६ से ९ के विद्यार्थियों के लिए मिस झा ने आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। मंच का प्रभावशाली संचालन सफिया झा एवं दिव्यांश जोशी ने किया।

विजेता विद्यार्थी कक्षा ३ से ५ ओजस्वी – विज़नरी हाउस मेधांश – विज़नरी हाउस कक्षा 7 की रिधम विज़नरी हाउस

"जब बच्चे कविता बोलते हैं, तब वे केवल शब्दों का उच्चारण नहीं करते; वे अपनी सोच, अपने सपनों और अपनी संवेदनाओं को आवाज़ देते है

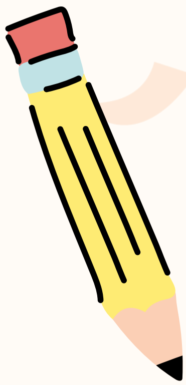

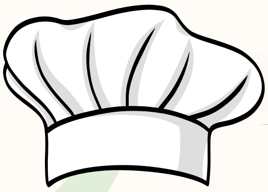

बिना आग के पाक-कला

रचनात्मकता ने लिया स्वाद का रूप

१२ अगस्त को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 'बिना आग के पाक-कला' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा ६ से ८ तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बिना आग के विभिन्न स्वादिष्ट एवं आकर्षक व्यंजन तैयार करते हुए विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, प्रस्तुतीकरण, आत्मविश्वास एवं समूह-कार्य का शानदार प्रदर्शन किया।

बिना आग के विभिन्न स्वादिष्ट, पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजन तैयार करते हुए विद्यार्थियों ने यह सिद्ध किया कि सीखने के लिए केवल पुस्तकों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि अनुभव और प्रयोग भी शिक्षा के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

प्रतिभागियों ने उपलब्ध सामग्री का रचनात्मक उपयोग करते हुए अपने व्यंजनों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

उनकी प्रस्तुति में स्वच्छता, सलीका, आत्मविश्वास, सहयोग और नवाचार का सुंदर समन्वय दिखाई दिया।

इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन से जुड़े उपयोगी कौशल सीखने के साथ-साथ समय-प्रबंधन, समूह में कार्य करने, जिम्मेदारी निभाने और अपनी कल्पनाओं को वास्तविक रूप देने का अवसर प्रदान किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की भावना विशेष रूप से सराहनीय रही।

"जब सीखने की प्रक्रिया में रचनात्मकता जुड़ जाती है, तब साधारण अनुभव भी असाधारण सीख बन जाता है।"

क्षेत्रीय स्तर के लिए चयन

इस प्रतियोगिता में प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों सफिया झा (कक्षा 7) एवं दिव्यांश जोशी (कक्षा 8) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्रीय स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

दोनों विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके परिश्रम, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने उनकी सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

"एक विद्यार्थी की उपलब्धि केवल उसके लिए सम्मान नहीं होती; वह उसके गुरुजनों के विश्वास, अभिभावकों के सहयोग और पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण बन जाती है।"

यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है कि अवसर चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, लगन, कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास से उसे उपलब्धि में बदला जा सकता है।

प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल अपने विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जहाँ वे पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर जीवनोपयोगी कौशल सीखें, अपनी प्रतिभा को पहचानें और आत्मविश्वास के साथ नई ऊँचाइयों की ओर कदम बढ़ाएँ।

"प्रतिभा को जब अवसर मिलता है, तो वह केवल पुरस्कार नहीं जीतती—वह अपने भीतर छिपे विश्वास को भी जीत लेती है।"

यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय रही।

"जब सीखने की प्रक्रिया में रचनात्मकता जुड़ जाती है, तब साधारण अनुभव भी असाधारण सीख बन जाता है।"

खेलों का उत्सव – राष्ट्रीय खेल दिवस
जहाँ मैदान बना प्रतिभा का मंच

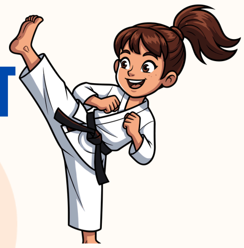

विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस आयोजन की विशेष उपलब्धि यह रही कि हमारे विद्यालय ने स्वयं इस अंतरविद्यालयी खेल आयोजन की मेजबानी की।

विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों ने इसमें भाग लिया, जिनमें जयपुरिया, सेंट जेवियर्स सहित अन्य विद्यालय सम्मिलित रहे।

खेल के मैदान में विद्यार्थियों ने केवल प्रतिस्पर्धा ही नहीं की, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, खेल भावना, नेतृत्व एवं परस्पर सम्मान का परिचय दिया।

विजेता – प्रथम विजेता भारत भारती विद्यालय, दिल्ली
द्वितीय विजेता श्री राम यूनिवर्सल स्कूल ग्रेटर नोएडा वेस्ट

तृतीय विजेता एस्टर पब्लिक स्कूल, ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल

पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन सुश्री अनुष्का यादव ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री अनामिका एवं श्री मीर ने किया।

"खेल हमें केवल जीतना नहीं सिखाता; वह हमें हार को स्वीकार करना, अपने साथी का सम्मान करना और हर बार पहले से बेहतर बनकर लौटना सिखाता है।"

हमारे नन्हे योद्धा

अंतरविद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में शानदार उपलब्धि

हमारे विद्यार्थियों ने अंतरविद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

उनकी उपलब्धि केवल पदकों तक सीमित नहीं है। प्रत्येक पदक के पीछे छिपी है—

अनुशासन • अभ्यास • साहस • धैर्य • आत्मविश्वास

इस अवसर पर विद्यार्थियों की तस्वीरों के साथ उनके नाम एवं प्राप्त पदकों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। "पदक गले में दिखाई देता है, लेकिन उसके पीछे छिपा संघर्ष केवल खिलाड़ी ही जानता है।

रंगों में देशभक्ति

अंतर-सदनीय रंगोली निर्माण प्रतियोगिता

१४ अगस्त को कक्षा ३ से ९ तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय रंगोली निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
इस बार रंगोली केवल रंगों और आकृतियों का सृजन नहीं थी।
यह हमारे देश के वीर सैनिकों के नाम एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी।
विद्यार्थियों ने सुंदर रंगोलियाँ तैयार कर उन्हें देश के वीर सैनिकों के लिए राखी के साथ भेजा।
रंगों से सजी इन कलाकृतियों में बच्चों की कला के साथ-साथ उनके हृदय में बसे सम्मान, कृतज्ञता और देशप्रेम की सुंदर झलक दिखाई दी।

इस भावपूर्ण पहल को दैनिक जागरण समाचार-पत्र में भी स्थान मिला, जहाँ प्रधानाचार्या महोदया एवं निदेशक मणि सर के संदेश के साथ उनका चित्र प्रकाशित हुआ।
“जब एक छोटी-सी राखी सीमा पर तैनात सैनिक तक पहुँचती है, तब वह केवल धागा नहीं रहती—वह पूरे राष्ट्र की ओर से प्रेम और कृतज्ञता का संदेश बन जाती है।”

रक्षाबंधन रिश्तों की डोर, संस्कारों की खुशबू

रक्षाबंधन का पर्व विद्यालय में प्रेम, अपनत्व और भारतीय संस्कारों की सुंदर अनुभूति लेकर आया।
राखी केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना का संदेश भी देती है।
इस अवसर पर बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से इस पर्व को विशेष बनाया और देश के वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।
“कुछ रिश्ते रक्त से बनते हैं और कुछ रिश्ते सम्मान से। हमारे वीर सैनिकों के साथ हमारा रिश्ता भी प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता से बना है।”

अगस्त की अन्य गतिविधियाँ

हर गतिविधि में एक नई सीख

अगस्त माह में विद्यालय के वार्षिक गतिविधि-पंचांग के अनुसार विभिन्न **शैक्षणिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक, पर्यावरणीय एवं मूल्यपरक गतिविधियों** का आयोजन किया गया।

हर गतिविधि ने बच्चों को कुछ नया सीखने, अपनी प्रतिभा दिखाने और स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर दिया। कहीं बच्चों ने मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाई, कहीं उन्होंने कला के माध्यम से भावनाएँ व्यक्त कीं और कहीं उन्होंने टीम के साथ मिलकर कार्य करना सीखा।

इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता या प्रदर्शन नहीं, बल्कि समग्र विकास रहा।

जीवन कौशल: सशक्त भविष्य की ओर कदम

"शिक्षा केवल किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि जीवन के हर मोड़ पर सही राह चुनने की समझ है बल्कि जीवन के हर मोड़ पर सही राह चुनने की समझ है।"

'प्रोमिनेंसर्स' के इस विशेष सत्र में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर जीवन कौशल (Life Skills) से लैस करने पर बल दिया गया। निर्णय लेने की क्षमता, समस्या समाधान, नेतृत्व और संवेदनशीलता जैसे गुणों को दैनिक गतिविधियों और संवाद के माध्यम से बच्चों के भीतर रोपा गया। आज के ये नन्हें बीज कल के सशक्त, आत्मनिर्भर और ज़िम्मेदार नागरिक बनकर उभरेंगे।

हरित भारत, समृद्ध भारत: संवेदना और सृजन

हमारे विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और संवेदना का परिचय देते हुए वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। नन्हे हाथों से मिट्टी में बोए गए ये पौधे इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी युवा पीढ़ी न केवल अपने सपनों के प्रति सजग है, बल्कि अपनी धरती माँ के प्रति भी पूरी तरह संवेदनशील है। खेल के मैदान से लेकर कला की कैनवास तक, अगस्त के इस अंक में हर जगह प्रतिभा, संस्कार और नवाचार की अनूठी छाप साफ़ नज़र आती है।

मेरा हरित भारत , नन्हे हाथों में हरित भविष्य १९ अगस्त २०२६ को विद्यालय के नन्हे-मुन्ने यू.के.जी. – ऑर्किड, एल.के.जी. – मैरीगोल्ड्स के विद्यार्थियों ने 'मेरा हरित भारत – हस्तछाप गतिविधि' में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नन्हे हाथों से बनाए गए रंग-बिरंगे हस्तछापों ने पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया।

"आज के ये छोटे-छोटे हाथ ही कल के स्वच्छ, सुंदर और हरित भारत का निर्माण करेंगे।"

इस गतिविधि ने बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को सहज एवं आनंदपूर्ण तरीके से विकसित किया।

अनुभव अगस्त की सबसे सुंदर सीख

कभी-कभी किसी महीने की सबसे बड़ी उपलब्धि किसी ट्रॉफी या प्रमाण-पत्र में दिखाई नहीं देती।
वह दिखाई देती है उस बच्चे की आँखों में,
जो पहली बार मंच पर खड़ा होकर बोलता है।
वह दिखाई देती है उस नन्हे हाथ में,
जो देश के सैनिक के लिए राखी बनाता है। वह दिखाई देती है उस खिलाड़ी में,
जो हार के बाद भी मैदान छोड़ने से इनकार कर देता है।
वह दिखाई देती है उस बच्चे की हथेली में,
जो हरित भारत के सपने को अपने हस्तछाप से रंग देता है।
और वह दिखाई देती है उस विद्यार्थी की आवाज़ में,
जो कविता के माध्यम से अपने सपनों और विचारों को दुनिया तक पहुँचाता है।
वह दिखाई देती है उस खिलाड़ी में,
जो हार के बाद भी मैदान छोड़ने से इनकार कर देता है।
वह दिखाई देती है उस बच्चे की हथेली में,
जो हरित भारत के सपने को अपने हस्तछाप से रंग देता है।
और वह दिखाई देती है उस विद्यार्थी की आवाज़ में,
जो कविता के माध्यम से अपने सपनों और विचारों को दुनिया तक पहुँचाता है।
यही है अगस्त का ‘ नवाचार अनुभव’।
हमने बच्चों को केवल गतिविधियों में भाग लेते हुए नहीं देखा—
हमने उन्हें हर अनुभव के साथ थोड़ा और आत्मविश्वासी,
थोड़ा और संवेदनशील और थोड़ा और जिम्मेदार बनते देखा।

अगस्त – एक अविस्मरणीय अध्याय

स्वतंत्रता की उमंग से लेकर खेलों की ऊर्जा तक,
कविता की संवेदना से लेकर रंगोली की रचनात्मकता तक,
वीरों के सम्मान से लेकर हरित भारत के संकल्प तक—
अगस्त २०२६ ने विद्यालय की स्मृतियों में अनेक सुंदर रंग भर दिए।
यह महीना हमें एक बार फिर याद दिला गया कि—

“विद्यालय केवल पुस्तकों से ज्ञान देने का स्थान नहीं है;
यह वह भूमि है जहाँ प्रतिभाएँ निखरती हैं,
संस्कार जन्म लेते हैं,
सपनों को पंख मिलते हैं
और बच्चे बेहतर मनुष्य बनना सीखते हैं।”

हमारे बच्चे हमारी सबसे सुंदर कहानी हैं— और हर गतिविधि उस कहानी का एक नया अध्याय।

नवाचार

हिन्दी - विभाग

झरोखा...

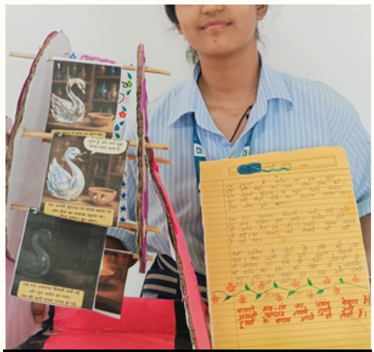

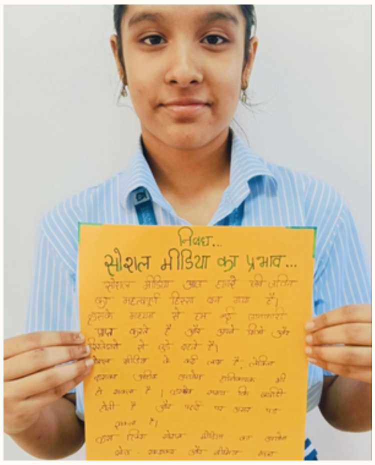

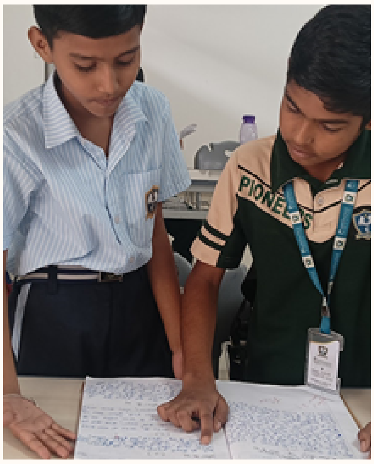

“ हर अनुभव में सीख, हर सीख में संस्कार, और हर बच्चे में एक नई संभावना।”

Chief Editor :-Ms.Jha   Designing : - Ms Mahima